

**चक्री** पुं. (तत्.) 1. चक्रधारी 2. विष्णु 3. गाँव का पंडित 4. बकरा 5. चकवा 6. सर्प 7. जासूस 8. तेली 9. चक्रवर्ती 10. कौवा 11. रथ पर सवार व्यक्ति 12. गधा 13. सभा।

**चक्रेश्वर** पुं. (तत्.) दे. चक्रवर्ती।

**चक्रेश्वरी** स्त्री. (तत्.) जैनो की महाविद्याओं में से एक।

**चक्षु** पुं. (तत्.) 1. नकली या बनावटी दोस्त 2. आँख।

**चक्षण** पुं. (तत्.) 1. गजक 2. चाट 3. कृपादृष्टि, अनुग्रह 4. कथन।

**चक्षा** पुं. (तत्.) 1. बृहस्पति 2. आचार्य 3. गुरु 4. स्पष्टता 5. दर्शन 6. नेत्र, चक्षु।

**चक्षुः** पुं. (तत्.) चक्षुस् शब्द का प्रतिपाक्षिक रूप, नेत्र, आँख।

**चक्षुःपथ** पुं. (तत्.) दृष्टिपथ, क्षितिज।

**चक्षुःपीड़ा** स्त्री. (तत्.) आँख में होने वाली पीड़ा, आँख का दुखना आदि।

**चक्षु** पुं. (तत्.) 1. आँख, नेत्र 2. गंगा नदी की एक शाखा, वंक्षु नामक नदी 3. विष्णु पुराण में वर्णित अजमीढ़ वंशी एक राजा, पुराजानु का पुत्र और हर्षस्व का पिता 4. देखने की शक्ति, प्रकाश 5. तेज, कांति।

**चक्षुगोचर** वि. (तत्.) दृष्टिगोचर, दिखाई देने वाला।

**चक्षुरिंद्रिय** स्त्री. (तत्.) आँख, देखने की इंद्रिय।

**चक्षुर्निरोध** पुं. (तत्.) आँख की पट्टी।

**चक्षुर्विषय** पुं. (तत्.) 1. दृष्टि क्षेत्र, स्थिति 2. दृष्टि का विषय 3. जिसे देखा जा सके, क्षितिज।

**चक्षुश्रवा** पुं. (तत्.) कान की जगह नेत्र से सुनने-समझने वाला सर्प, साँप।

**चक्षुष्मान** वि. (तत्.) आँखों वाला, सुंदर आँखों वाला।

**चक्षुष्य** वि. (तत्.) 1. जो आँखों या नेत्रों के लिए हितकारी या सुखदायी हो 2. नेत्रों से उत्पन्न 3. सुंदर।

**चख** पुं. (तद्.) दे. चक्षु।

**चख** स्त्री. (फा.) निरर्थक कहासुनी, अनावश्यक वाद-विवाद, नौक-झोंक।

**चखना** स.क्रि. (तद्.) स्वाद लेना, स्वाद के लिए मुँह में रखना।

**चखा** स.क्रि. (तद्.) 'चखना' क्रिया का भूतकाल एक वचन रूप वि. (तद्.) चखने वाला, स्वाद या आस्वाद लेने वाला 2. प्रेमी।

**चखाचखी** स्त्री. (फा.) 1. कहासुनी 2. विरोध 3. तनातनी।

**चखाना** प्रे.क्रि. (देश.) थोड़ा सा खिलाना, स्वाद चखाना या स्वाद दिलाना स.क्रि. चखना का प्रेर रूप।

**चखिया** वि. (फा.) 1. विवादी, चख-चख करने वाला 2. झगड़ा करने वाला।

**चखौती** स्त्री. (देश.) चटपटा खाना, तीखे-चटपटे स्वाद वाला भोजन, चटपटे पदार्थ/खाना।

**चगड़** वि. (देश.) 1. चालाक, चतुर 2. स्वार्थ-साधना में दक्ष 3. सयाना।

**चगताई** पुं. (तु.) मध्य एशिया के निवासी अफगान तुर्कों का एक प्रसिद्ध वंश जिसमें चंगेज खाँ का बेटा चगताई खाँ हुआ था, बाबर, अकबर आदि भारत के मुगल बादशाह इसी वंश के थे।

**चगताई खाँ** पुं. (तु.) चंगेज खाँ का एक अत्यंत न्यायप्रिय बेटा टि. चंगेज खाँ ने सन् 1227 ई. में उसे बदखाशाँ काशगर आदि प्रदेशों का राज्य दिया था, सन् 1241 ई. में उसकी मृत्यु हुई, बाबर भी इसी वंश का था।

**चचर** स्त्री. (देश.) वह परती जमीन जो बहुत दिनों बाद एक बार बोई जाती है।

**चचा** पुं. (देश.) दे. चाचा।

**चचिया** वि. (देश.) चाचा से संबंधित या संबंध रखने वाला जैसे- 'चचिया ससुर', 'चचिया सास'।

**चर्चोडा** पुं. (तद्.) 1. साग-सब्जी के लिए एक फल जो तोरई के समान लंबा होता है 2. अपामार्ग, चिंचड़ा।